(1) गायों में खुर के रोग तथा उनका उपचार

खुर का अधिक लंबा होना व दरार पड़ना

खुर उपचार के बाद

खुर का लंबा होना व मुड़ना

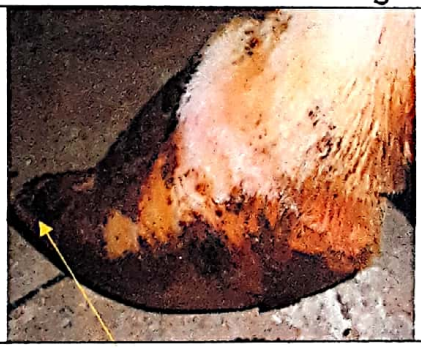

खुर का पेच समान आकार

खुर में रोगाणु व माइक्रोबियल संक्रमण

खुर की बिमारी के मुख्य लक्षण :

- ✓ खुर का अधिक लम्बा होना
- ✓ खुर का टूटना
- ✓ खुर पर दरार पड़ना ,
- ✓ लंगड़ाना
- ✓ खुर में दर्द व घाव होना,
- ✓ दूध उत्पादन में कमी होना,
- ✓ प्रजनन क्षमता का कम होना ।

खुर की बिमारी के उपचार व बचाव

- ✓ खुर के रोगों के उपचार के लिए, खुर को नियमित रूप से ५-६ महीने के अंतराल पर कटवाते रहना चाहिए।
- ✓ खुर के घावों पर मरहम पट्टी करवाए ।
- ✓ रोकथाम के लिए जानवर के बांधने की जगह को सूखा और साफ़ सुथरा रखे।
- ✓ खुर रोग के उपचार में फोर्मलिन बाथ बहुत ही लाभकारी है.

Scanned by CamScanner

(2) मूह पर फुंसी / फोड़ा होना (लोकल नाम -ज़ीर)

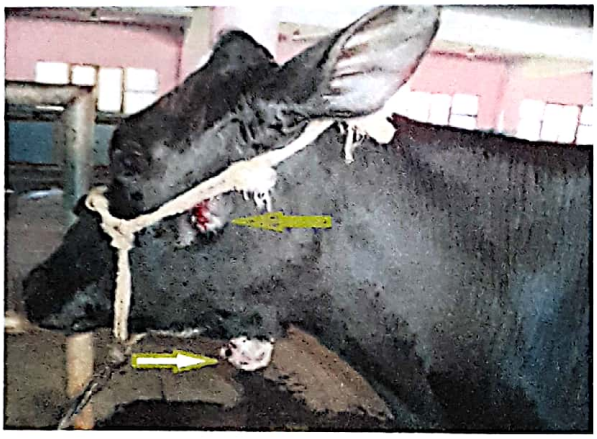

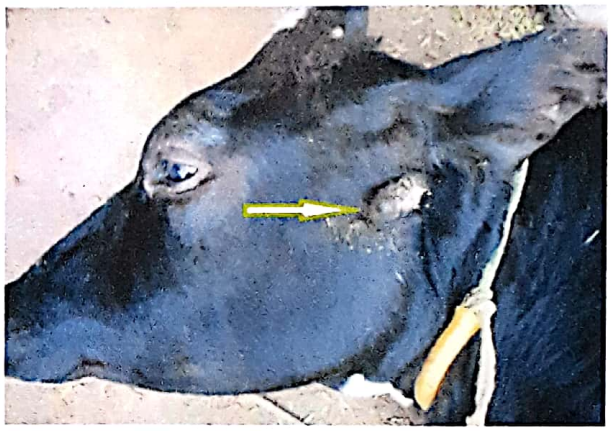

प्रमुख लक्षण:

- ✓ चेहरे पर या जबड़े के निचले हिसे पर फोड़ा (गाँठ) बनना ।
- ✓ खाना चबाने में कठिनाई ।
- ✓ फोड़ा फटकर पीक का बाहर निकलना ।
- ✓ लगातार एक के बाद एक और गाँठ का बनना ।
- ✓ गर्मी की मौसम में इन घावों में कीड़ो का पड़ना।
- ✓ खारिश या कीड़ो की वजह से घाव से लगातार खून का बहना ।
- ✓ चेहरे का होलिया बिगड़ना ।
- ✓ कभी कभी घाव की जगह से सख्त सींग जैसा बन जाना ।

उपचार व बचाव:

- ✓ घाव की सफाई करना ।
- ✓ पेनिसिलिन और दर्द की टीके 7 दिनों तक लगातार लगवाए ।
- ✓ पोटैशियम आयोडाइड का चूरन 7-10 ग्राम प्रतिदिन एक सप्ताह तक खिलाये ।
- ✓ आराम नहीं मिलने पर माहिर पशु चिकित्सक से सर्जरी द्वारा उपचार करवाए ।

Scanned by CamScanner

(3) आँखों के रोग तथा उनका उपचार

आँख के पर्दे का अल्सर

आँख के पर्दे का धुंधलापन

घोड़े में आंख का कीड़ा

घोड़े में आँख के कीड़े से होने वाला आँख के पर्दे का धुंधलापन

गाय में आँख के पर्दे का दर्दनाक छिद्र

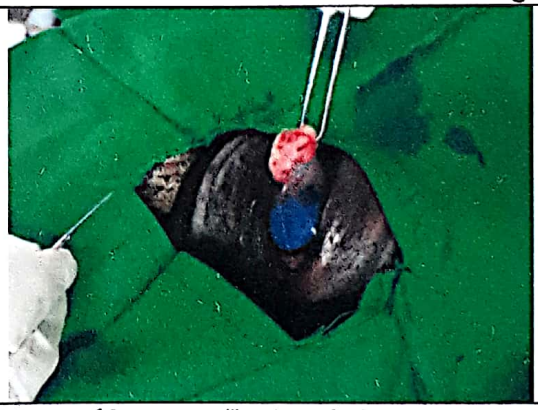

सर्जरी द्वारा आँख के पर्दे की मरम्मत

आँखों की बीमारी के लक्षण :

आँखों की बिमारी का मुख्य कारण चोट है.

- ✓ आँखों की बाहरी पर्दे में धुंधलापन ।
- ✓ आँसू का अत्यधिक निकलना और आँखों को रगड़ना पाया जाता है ।
- ✓ आँखों का लाल होना ।
- ✓ आँख की बाहरी परदे का सफ़ेद पड़ना ।
- ✓ आँख की रोशनी खत्म होना ।

उपचार व बचाव:

- ✓ चोट लगने पर व आंख सफेद हो तो, आंखों को साफ पानी से धोएं ।
- ✓ पशु चिकित्सक के साथ सलाह/ मशबरा करें जो दवाओं से उपचार करते हैं ।
- ✓ यदि दवाईयों के साथ स्थिति में सुधार नहीं हुआ है, तो सर्जरी एक विशेषज्ञ द्वारा की जा सकती है

Scanned by CamScanner

(4)अंतड़ी में गाँठ (**बट्ट पड़ना**):

यह रोग खासकर गाय और बछाड़िओं में पाया जाता है। और यदि सही समय पर उचित ईलाज न हो तो इससे पशु की मृत्यु भी हो सकती है । पेट दर्द पड़ना इस रोग का मुख्य लक्षण हैं । शुरू में पशु को जबरदस्त पेट दर्द पड़ता हैं जो बारह से चौबीस घंटे तक बीच-बीच में पड़ता रहता हैं । आंतडिओं की गाँठ लगने से गोबर बंद हो जाता जाता है जो दवाओं द्वारा ठीक नहीं हो सकता ।

बीमारी के लक्षण:

- ✓ अचानक पेट में दर्द: दर्द के दौरान पशु उठ बैठ करता हैं , पिछली टांगे बारी- बारी उठाकर पेट पर मारता हैं , बेचैनी महसूस करता हैं , घास खाना और जुगाली करना बंद कर देता हैं, थोड़ी मात्रा में पानी पीता रहता हैं ।
- ✓ बार बार पेट को देखना ।
- ✓ शुरू में कम मात्रा में पशु बार बार गोबर करता हैं धीरे-धीरे गोबर का पूरा बंद हो जाता है । इसके उपरान्त जैम की तरह गाढ़ा लाल / सफ़ेद रंग का चिपचिपा पदार्थ गोबर वाली रास्ते से बाहर आता है ।
- ✓ दूध देने वाली गाय में भारी मात्रा में दूध उत्पादन में कमी आती है ।
- ✓ दो तीन दिनों के बाद पशु का दोनों तरफ का पेट फूलना शुरू हो जाता है ।

उपचार:

- ✓ पशु को साफ पीने का पानी दें।
- ✓ दर्द की दवा व द्रव चिकित्सा (Fluid therapy) प्रदान करे।
- ✓ डॉक्टरों से परामर्श करके सर्जरी कराए । पशु की जान बचाने के लिए तुरंत किसी माहिर पशु चिकित्सक से संपर्क कर सर्जरी करवाना जरुरी होता है ।

Scanned by CamScanner

दर्द के कारण पशु अपने पैरों को स्ट्रेच या खिचाव करता	पेट फूलना या अफरा होना
	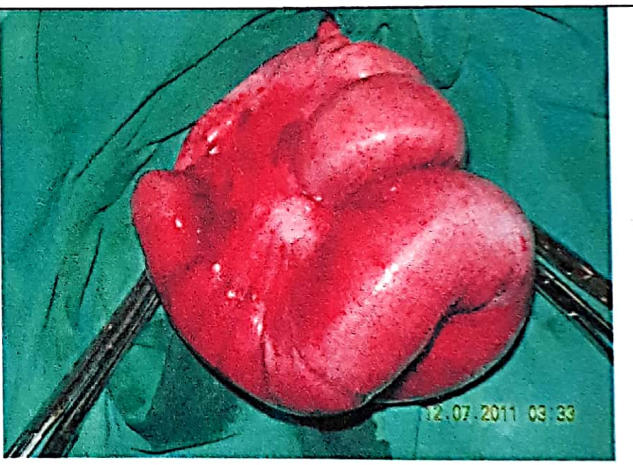
रेक्टल एग्जामिनेशन पर गाढ़ा लाल रंग का चिपचिपा पदार्थ मिलना	सर्जरी कर अतडिओं के गांठ को बाहर करना
गांठ निकलने के बाद नार्मल अंतडिओं को टांके लगाकर जोड़ना	ऑपरेशन के बाद प्रयः पशु पतला गुआ करता है और धीरे धीरे नार्मल २-३ दिनों में

Scanned by CamScanner

(5)गुर्दा (Kidney), मूत्राशय/ पेशाब थैली, मूत्र नली की पथरी

यह रोग पशुओं में सूखे चारा खाने पर और खारा पानी पीने से होता है सर्दिओ में यह बीमारी पानी कम पीने के कारण बढ़ जाती है अगर सही समय पर उचित ईलाज न हो तो पेसाब की थैली इत्यधिक प्रेशर के कारण फट सकती है जो की बाद में जानलेवा भी हो सकती है

बीमारी के लक्षण:

- ✓ तेज दर्द
- ✓ बार बार पेट को देखना व दर्द के कारण उठना और बैठना.
- ✓ पिछले पैरों के साथ पेट को लात मारना.
- ✓ खून / रक्त पेशाब में आना और मूत्र का पूरा रुकना
- ✓ पशु बार बार यूरिन पास करने के लिए जोर लगता है पर यूरिन बाहर नहीं आता

उपचार:

- ✓ पशु को खूब साफ पीने का पानी दें
- ✓ दर्द की दवा व द्रव चिकित्सा (Fluid therapy) प्रदान करे
- ✓ डॉक्टरों से परामर्श करके सर्जरी कराए.

Scanned by CamScanner

पेशाब की थैली फटने के कारण एब्डोमिनल कैविटी में नीडल लगाने से पेशाब का निकलना

ऑपरेशन के लिए बेहोसी करने के बाद पशु को ऑपरेशन टेबल पर लिटाना

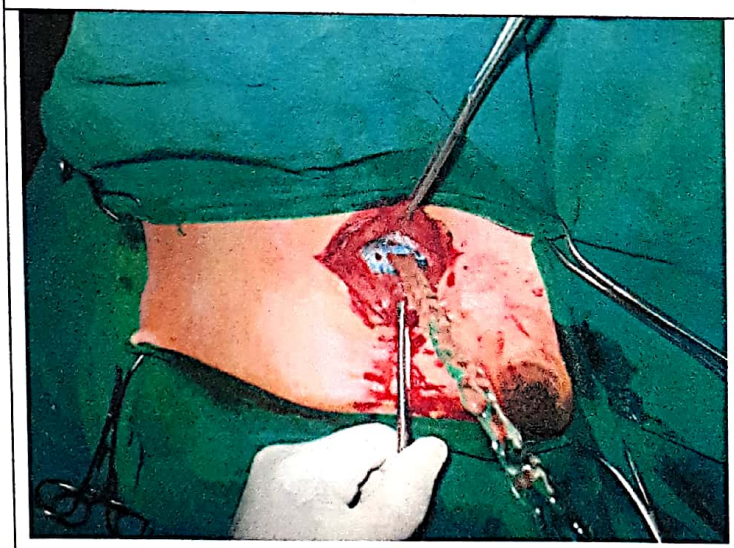

ब्लैडर रप्चर के कारण एब्डोमेन से यूरिन का निकलना

ऑपरेशन के बाद कुछ दिनों तक पशु यूरिन कैथिटर या पाइप के द्वारा करता है

Scanned by CamScanner

(6)घोड़ों के पेट में दर्द (Colic)

बीमारी के लक्षण :

- ✓ पेट फूलना
- ✓ बार बार पेट को देखना व दर्द के कारण उठना और बैठना.
- ✓ पिछले पैरों के साथ पेट को लात मारना.
- ✓ पीठ के बल पर लेटना / छटपटाना
- ✓ खाना पीना पूर्णतः बंद करना
- ✓ शरीर में पानी की कमी होना
- ✓ गुआ पुरणतः बंद होना

प्राथमिक उपचार:

- ✓ दर्द को टीका लगवाए
- ✓ ग्लूकोज़ और नार्मल सेलाइन सलूशन प्रचुर मात्रा में चढ़वाये
- ✓ मिनरल तेल या मीठा तेल ५०० मिलीलीटर से १००० मिलीलीटर पिलाये
- ✓ अगर कोई सुधार न हो तो किसी एक्सपर्ट सर्जन की सलाह ले ऑपरेशन करवाए

Scanned by CamScanner

पीठ के बल पर लेटना / छटपटाना

पिछले पैरों के साथ पेट को लात मारना.

पेट फूलना

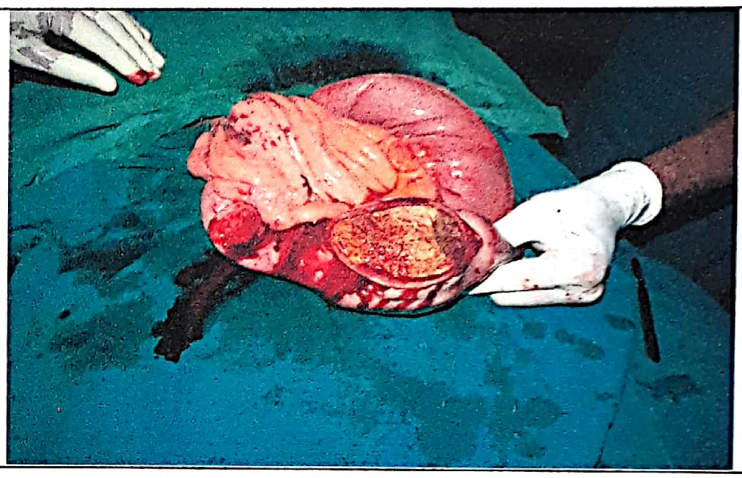

सर्जरी कर फीड बॉल को बाहर निकलना

फीकोलिथ

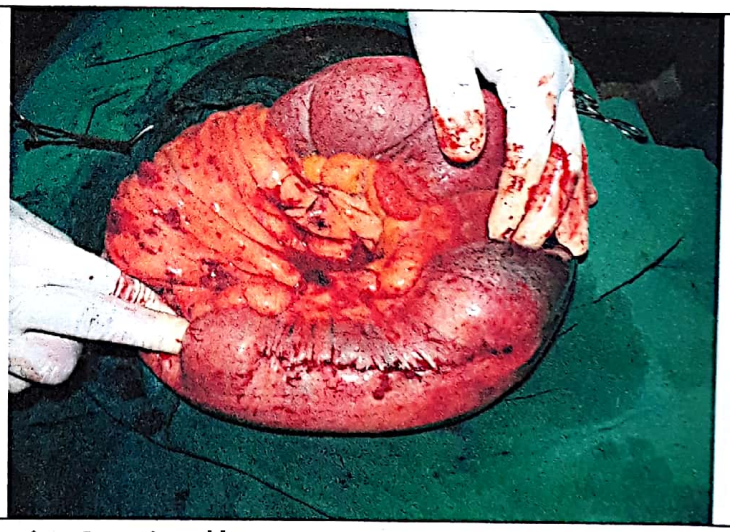

अंतड़ी में ऑपरेशन के बाद टाँके लगाकर बंद करना

Scanned by CamScanner

7. टीट फिस्टुला (थन पर जख्म होना और दूध लीक होना):

यह प्रायः चोट या बछड़े का दूध पीते समय दांत काटने से होता है.

बीमारी के लक्षण:

- ✓ थन पर जख्म होना
- ✓ थन/ टीट से दूध नार्मल ओपनिंग के साथ साथ घाव वाले जगह से भी आना

प्राथमिक उपचार:

- ✓ अगर जख्म ज्यादा गहरा न हो और दूध भी नहीं लीक कर रहा हो तो जख्म को साफ़ कर एंटीसेप्टिक क्रीम या लोशन लगनी चाहिए
- ✓ दिन में दो से तीन बार एंटीसेप्टिक ड्रेसिंग करनी चाहिए
- ✓ जख्म अगर काफी गहरा हो और दूध भी लीक कर रहा हो तो पास के पशु चिकित्षक से संपर्क कर सर्जरी करवाना जरुरी होता है

Scanned by CamScanner

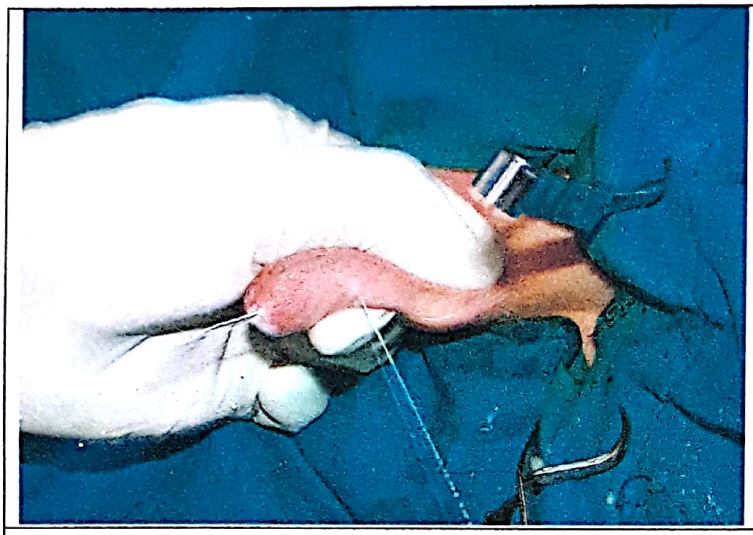

दूध नार्मल ओपनिंग के साथ साथ घाव वाले जगह से भी आना

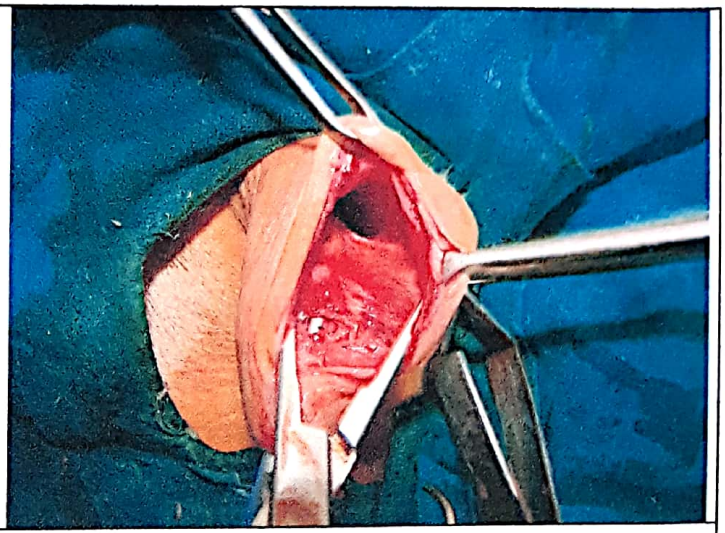

ऑपरेशन कर फिस्टुला का उपचार करते हुए

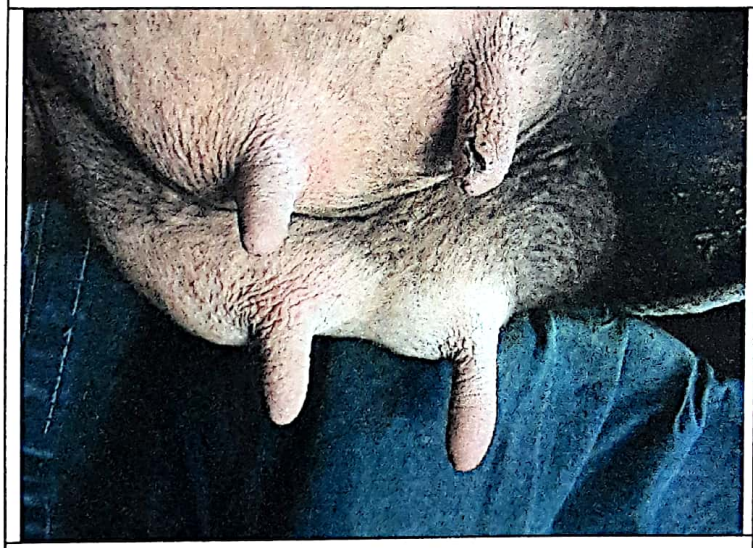

थन पर जख्म होना

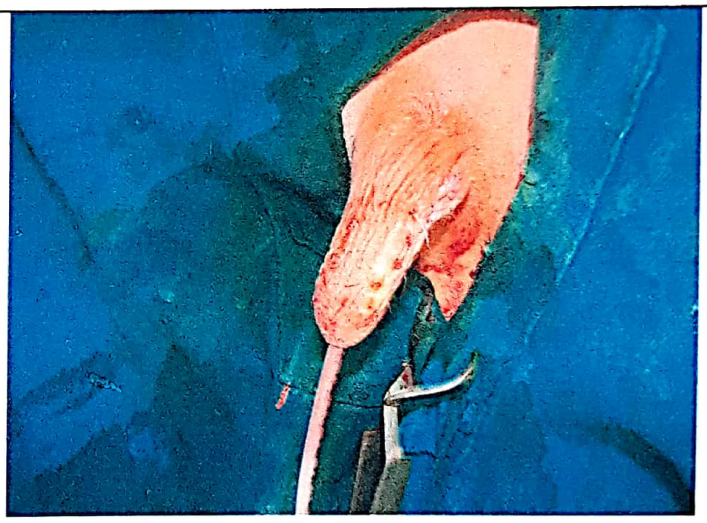

ऑपरेशन के बाद का चित्र

Scanned by CamScanner

8. सींग टूटना (Horn fracture)/ सींग कैंसर (Horn cancer)

पशुओ के आपस में लड़ने , एक्सीडेंट होने , गिरने से पशुओ के सींग टूट जाते है या सींग के ऊपर का हार्ड पार्ट / खोली निकल जाता है

बीमारी के लक्षण:

- ✓ काफी तेजी से खून बहना
- ✓ सींग पे ग्रोथ होना
- ✓ सींग से बदबू आना
- ✓ सींग से रेसा आना

प्राथमिक उपचार:

- ✓ टूटी जगह पर साफ़ कपडे से कस कर बांध देना चाहिए
- ✓ दर्द तथा इन्फेक्शन रोकने की टीका लगवानी चाहिए
- ✓ तुरंत सर्जन की सलाह लेकर उचित ईलाज को वयस्था करनी चाहिए
- ✓ सींग को बेस से काटना इसका उचित सर्जिकल इलाज होता है

Scanned by CamScanner

तेजी से खून बहना

टूटने के बाद इन्फेक्शन होना

सींग पे कैंसरस ग्रोथ होना

हॉर्न को बेस से सर्जिकल रिमूवल करना

हॉर्न सर्जरी करते हुए सर्जन टीम

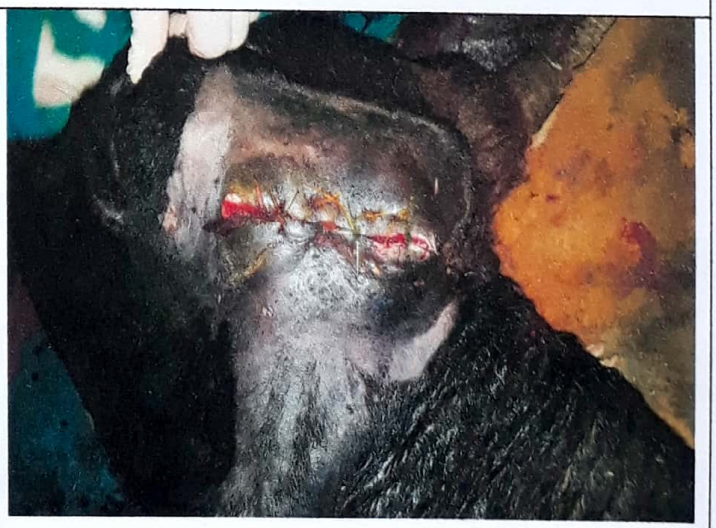

ऑपरेशन के बाद की तस्वीर

Scanned by CamScanner

9. डिस्टोकिआ/ Dystokia बच्चा बच्चेदानी में फसना (सीजेरियन से बच्चा निकलवाना)

इस बीमारी में पशु का नार्मल डिलीवरी नहीं हो पता है बच्चा फस जाता है.

बीमारी के लक्षण:

- ✓ बच्चे का पेट में फसना
- ✓ बच्चेदानी का मुँह पूरा नहीं खुलना
- ✓ पशु का बार बार बच्चे को निकलने के लिए जोर लगाना

प्राथमिक उपचार:

- ✓ बच्चे को पर- रेक्टल कर पशु चिकितसक से बाहर निकलवाए
- ✓ अगर फिर भी बाहर नहीं आये तो सर्जन की सलाह से सीजेरियन करवाना अनिवार्य होता है

सी -सेक्शन सर्जरी करते चिकित्सको को टीम	**बच्चे को ऑपरेशन कर बाहर निकलते हुए**

Scanned by CamScanner